जयपुर विकास प्राधिकरण कार्मिक प्रशासन मास्टर योजना 2025 का एक मूल्यॉंकन

*वदंना

1. भूमिकाः—

राज्य सरकार द्वारा मास्टर 2011 के क्षितिज वर्ष 6 सितम्बर 2011 को वर्ष 2025 के लिये जयपुर रीजन की अनुमानित 75 लाख आबादी के अनुरूप मास्टर प्लान 2025 लागू किया गया विश्वविख्यात शहर की ऐतिहासिक धरोहर समृद्ध वास्तुशिल्प सांस्कृतिक मूल्यों को सुरक्षित रखते हुए बढ़ते शहर के सर्वागीण विकास आधुनिक यिोजन के प्रावधान मास्टर विकास योजना 2025 सेटेलाईट टाउन्स चौमू बगरू बस्सी जमवारामगढ़ अचरोल कानोता वाटिका भानपुरकलां बगवाड़ा चौमू आदि ग्रामों के विकास की योजना भी बताई गई है। जयपुर रीजन मास्टर प्लान राजस्थान पहला जीआईएस प्लान है।

2. प्रस्तावना :— मास्टर विकास :— 1. जोन प्लानः—

मास्टर विकास योजना, 2025 जयपुर रीजन 16 पलानिंग जोन्स में विभाजित किया गया है जोनल विकास योजनाएँ तैयार करने का कार्य जारी व जविप्रा अधिनियम की धारा 22 के अन्तर्गत पहला जोनल डवलपमेंट प्लान 3 तैयार किया गया जिसका क्षेत्रफल 26.92 वर्ग किमी है।

1. **सेक्टर प्लान :—** मास्टर विकास योजना 2011 प्रस्तावित नगर योग्य 954 वर्ग किमी क्षेत्र को कुल 85 सेक्टरों 7 प्रारूप सेक्टर प्लान तैयार जनता आपत्ति 13 सेक्टर प्लान बनाने के कार्य प्रक्रियाधीन है। उदाहरण :— भूमि कटाव रोकना, वनरोपण की व्यवस्था, सिंचाई जल प्रदाय बाढ़ नियंत्रण शिक्षा चिकित्सा सुविधाऐं औद्योगिक संकलित क्षेत्रों आवासन ग्रमीण आवासन सम्मिलित है विकास सुधार करना, विकास जयपुर रीजन विभाजित किया जायेगा।
2. **सार्वजनिक निर्माण कार्य :—** सड़क आवासन उद्योग भवन निर्माण, विकास स्थल भवन, स्थल भवन निर्माण विकास भावनों आक्रमिक निर्माण

भविष्य का शहर :—

1. विद्याधर नगर सेंट्रल स्पाईन
2. जगतपुरा सेंट्रल स्पाईन
3. सेज अजमेर रोड

4. नॉलेज सिटी
5. जयपुर इन्टरनेशनल सेन्टर
6. बी.ए.यू.पी परियोजना
7. मिशन सुरक्ष
8. राजीव आवास योजना

शोध उद्वेश्य :–

1. जयपुर विकास प्राधिकरण कार्मिक प्रशासन मास्टर योजना 2025 पूर्ण विकास का अध्ययन करना
2. रोजगार, कल्याण, सहभागीदारी तस्टस्थता योगदान अदा की जायेगी
3. पेयजल व्यवस्था, पंप चालकों पाइप लाइन, की व्यवस्था की जा रही है।
4. टयूबवेल – जलप्रदाय 177 है।डपम्प भी नगरपालिका अप्रैल, 2007 में 219 में से 100 टयूबवेल सूख गए थे पूर्ण तहतः विकास किया जा रहा है।

3. शोध विधि :– शोध विषय से सम्बन्धित प्राथमिक व द्वितीय दस्तावेजों को खंगालने, उनका अध्ययन करने एवं सकलन हेतु मैंने जयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र एवं विद्ववानों शोधार्थियों से भी सम्पर्क किया जयपुर विकास प्राधिकरण मैंने प्रश्नावली विधि यह अध्ययन किया है

शोध प्रविधि निम्नलिखित हैः– शोध विषय से सम्बन्धित प्राथमिक व द्वितीय दस्तावेजों को खंगालने, उनका अध्ययन करने एवं संकल्न हेतु मैंने जयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र एवं विद्वानों शोधार्थियों से भी सम्पर्क किया जयपुर विकास प्राधिकरण मैंने प्रश्नावली विधि यह अध्ययन किया है।

शोध प्रविधि निम्नलिखित है :–

1. किसी भी शोध कार्य का प्राथमिक लख्य सत्य की खोज करना होता है एक शब्दकोष में लिखा है कि 'शोध का तात्पर्य' सावधानीपूर्वक की गयी उस खोज से है जिससे ज्ञान की किसी भी शाखा में नए तथ्यों की खोज की जाती है।
2. शोध सम्बन्धी महत्वपूर्ण तथ्यों को एकत्रित किया जाए किस प्रकार उन्हें एकीकृत किया जाए किस प्रकार एक पूर्ण रूप में उन्हें प्रस्तुत किया जाए।
3. गहन अध्ययन करके उनके आधार पर शोध निष्कर्ष निकाले जाते है इस विधि में शोधकर्त्ती के समय श्रम तथा धन, बचत के साथ विश्वसनीय परिणाम प्राप्त किये जा सकते है।
4. प्रस्तुत शोध कार्य में शोधकर्त्री ने शोध की प्रतिदर्श विधि को ही अपनाया है जयपुर विकास प्राधिकरण के सभी कर्मचारियों का अध्ययन करना सम्भव नहीं था इसलिए कुछ चुने हुए कार्मिकों को ही शोध कार्य में गहन रूप से सम्मलित किया गया है।

5. जयपुर विकास प्राधिकरण में सेवारत कार्मिक की समस्याओं कार्मिकों की समस्याओं का सूक्ष्म विश्लेषण करना

6. जिसमें इन संगठनों में सकारात्मक कार्य संस्कृति का निर्माण हो सके हड़ताल व कर्मचारी विरोध जैसी नकारात्मक गतिविधियाँ नियंत्रित की जा सके।

7. इस प्रकार प्रस्तुत शोध कार्य का प्रमुख उद्देश्य जयपुर विकास प्राधिकरण सम्बन्धी कार्य सभी महत्वपूर्ण तथ्यों जैसे भर्ती, वेतन स्थानान्तरण मनोबल एवं अभिप्रेरणा पदोन्नति प्रशिक्षण विकास सामाजिक सुरक्षा सेवानिवृत्ति लाभ इस संगठनों में अपनी कार्य क्षमता वृद्वि करके जनता के प्रति अपने दायित्वों व कुशलता से निभा सके।

शोध कार्य हेतु प्राथमिक व द्वितीय दोनों प्रकार स्त्रोतें से सूचना व तथ्यों का अग्रहरण किया गया है :–

सामग्री

प्राथमिक सामग्री द्वितीय सामग्री

1. जयपुर विकास प्राधिकरण के वर्तमान तथा पूर्व कर्मचारियों से प्रश्नावलियों तथा अनौपचारिक साक्षात्मकारों के माध्यम से सूचनाऐं एकत्रित की गई है। शोधकर्ता द्वारा सहभागी पर्यवेक्षण के आधार पर भी सामग्री एकत्र की गई है प्रासांगिक विषयों के सन्दर्भ में सामग्री एकत्र की गई है।

2. शोध अध्ययन हेतु जयपुर विकास प्राधिकरण से 120–120 कर्मचारी का दैव प्रतिदर्श पद्धति के आधार पर चयन किया है। प्रतिदर्श चयन में इस बात का ध्यान रखा गया कि अधिकारी वर्ग लिपिक वर्ग चतुर्थ श्रेणी वर्ग को प्रतिदर्श में पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्राप्त हो।

2. द्वितीयक सामग्रीः– संगठनों के सामान्य प्राबन्ध से सम्बन्धित साहित्य का गहन का विश्लेषण किया गया है इसके अतिरिक्त जयपुर विकास प्राधिकरण अधिनियम 1982 जयपुर विकास प्राधिकरण विकास कर्मचारी (वर्गीकरण नियंत्रण व अपील विनियम 1984 जयपुर विकास प्राधिकरण चतुर्थ श्रेणी सेवा (भर्ती व सेवा की अन्य शर्त विनियम 1984) जयपुर विकास प्राधिकरण चतुर्थ श्रेणी सेवा (भर्ती व सेवा की अन्य शर्ते विनियम 1984) जयपुर विकास प्राधिकरण कर्मचारी पेंशन विकास नियम 1990, जयपुर विकास प्राध्किरण (कार्य संचालन विनियम 1983 जयपुर विकास प्राधिकरण कर्मचारी आचरण विनियम 1983 इत्यादि का गहन अध्ययन विश्लेषण किया गया है।

4. शोध परिणमः– मास्टर विकास योजना 2025 राज्य सरकार द्वारा मास्टर 2011 के क्षितिज वर्ष 6 सितम्बर 2011 को वर्ष 2025 के लिये जयपुर रीजन की अनुमानित 75 लाख आबादी के अनुरूप मास्टर प्लान 2025 लागू किया गया विश्वविख्यात शहर की ऐतिहासिक धरोहर समृद्ध वास्तुशिलप सांस्कृतिक मूल्यों को सुरक्षित रखते हुए बढ़ते शहर के सर्वागीण विकास आधुनिक नियोजन के प्रावधान मास्टर विकास योजना 2025 सेटेलाईट टाउन्स चौमू, बगरू, बस्सी, जमवारामगढ़, अचरोल, कानोता वाटिका, भानपुराकलां बगवाडा चौमू आदि ग्रामों के विकास की योजना भी बनाई गई है, जयपुर रीजन मास्टर प्लान राजस्थान पहला जीआईएस प्लान है।

1. (जोन प्लान)

मास्टर विकास योजना, 2025 जयपुर रीजन 16 प्लानिंग जोन्स में विभाजित किया गया है जोनल विकास योजनाएं तैयार करने का कार्य जारी व जविप्रा अधिनियम की धारा 22 के अन्तर्गत पहला जोनल डवलपमेंट प्लान 3 तैयार किया गया जिसका क्षेत्रफल 26.92 वर्ग.किमी है।

2. सेक्टर प्लान

मास्टर विकास योजना 2011 प्रस्तावित नागरिक योग्य 954 वर्ग किमी क्षेत्र 85 सेक्टरों में विभाजित किया गया है 65 सेक्टर के प्लान पूर्व में अनुमोदित शेष 20 सेक्टर्स 7 प्रारूप प्लान तैयार जनता आपत्ति 13 सेक्टर प्लान बनाने के कार्य प्रक्रियाधीन है

2. सार्वजनिक निर्माण कार्य :– सार्वजनिक उपयोगिता सड़के आवासन उद्योग अस्पताल सार्वजनिक निजी खुले का महत्वपूर्ण है

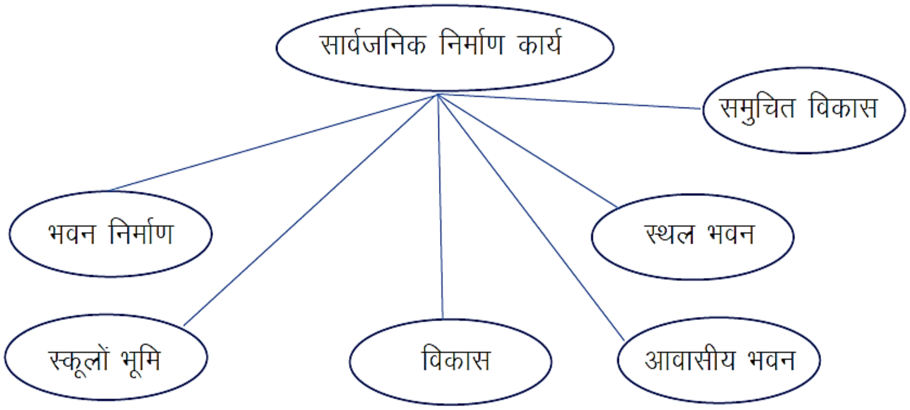

भविष्य का शहर

1. विद्याधर नगर सेंट्रल स्पाईन
2. जगतपुरा सेंट्रल स्पाईन
3. सेज अजमेर रोड़
4. नॉलेज सिटी
5. जयपुर इन्टरनेशनल सेन्टर
6. राजीव आवास योजना

1. विद्याधर नगर सेंट्रल स्पाईनः– जयपुर के परम्परागत वास्तुशिल्प नगर नियोजन मॉडल है नगर सेंट्रल 2 किलोमीटर योजना शैली जालीदार आवासीय परिसर गुलाबी रंग में रंगे है जहाँ विकसित की गई है चौड़ी चौरस सड़के जगतपुरा की तरह योजना प्रस्तावित है

विद्याधर नगर सेंट्रल स्पाईन

2. जगतपुरा सेंट्रल स्पाईन :– विद्याधर नगर सेंट्रल की तर्ज पर शहर के दक्षिणी छोर जगतपुरा में भी जगतपुरा सेंट्रल स्पाईन रूप में व्यवसायिक केन्द्र विकसित किया जाना प्रस्तावित है।
3. सेज अजमेर रोड़ – अजमेर रोड एन.एच. 8 पर विकसित विशेष आर्थिक 3000 एकड़ भूमि में स्थित है।
4. नॉलेज सिटी– निरंतर विकसित हो रहे जयपुर शहर की भावी शैक्षणिक आवश्यकताओं व शैक्षिणिक गतिविधियों नियोजित विकास दिल्ली रोड़ पर आवासीय क्षेत्र, व्यावसायिक केन्द्र भी विकसित किया जाना प्रस्तावित है।
5. जयपुर इन्टरनेशनल सेंटर :– जयपुर इन्टरनेशनल सेंटर निर्माण 2 चरणों में झालाना डूंगरी स्थित स्टाफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की 41700 वर्गमीटर भूमि एवं 50 प्रतिशत राज्य सरकार 50 प्रतिशत राष्ट्रीय, जेडिए, अन्तर्राष्ट्रीय प्रबुद्ध वर्ग गोठडी सम्मेलन खानपान आदि सुविधाऐं भी प्रस्तावित ।
6. दस्तकार नगर :– दस्तकार नगर समुदाय के लिये दिल्ली के शिल्पग्राम के तर्ज जमवारामगढ़ 40 एकड भूमि आरक्षित की गई है।

दस्तकार नगर

7. अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी 2009 – सहभागिता आवास योजना आर्थिक दृष्टि से कमजोर अल्प मध्यम शहरी नगर नागरिकों को सहभागिता राज्य सरकार संगठन जेडीए मॉडल 2 अंतर्गत 8 आवासीय योजनाऐं 5676 फलैट्स 10 आवासीय योजनाओं 5600 फलैट्स निर्माणाधीन
8. बीएसयूपी परियोजना 5– जे.एन.एन.यू.आर.एम के अन्तर्गत शहरी गरीब बुनियादी सेवाओं (बीएसयूपी) तहत जयपुर को कच्ची बस्तियों से मुक्त 5814 आवासों का निर्माण हो रहा है।
9. राजीव आवास योजना :– कच्ची बस्तीवासियों वातावरण से छुटकारा हैरिटेज शहर कच्ची बस्तियों केन्द्र सरकार राजीव आवास योजना 'कीरो' ढाणी पायलेट प्रोजेक्ट 1136 हैक्टेयर 1104 पक्के आवास निर्माणधीन राजीव आवास योजना के तहत भारत सरकार लाभार्थी 10–12 प्रतिशत आवास का आवंटन राज्य सरकार जविप्रा द्वारा वहन।
10. मिशन सुदामा :– जेडीए क्षेत्राधिकार में स्थित 21 कच्ची बस्ती/पुनर्वास योजनाओं परिवार सुदामा योजना 21 जनवरी को 1160 परिवारों को आवंटन पत्र कच्ची बस्तियों परिवारों जीवनयापन सुखद अवसर सम्भव हुआ।

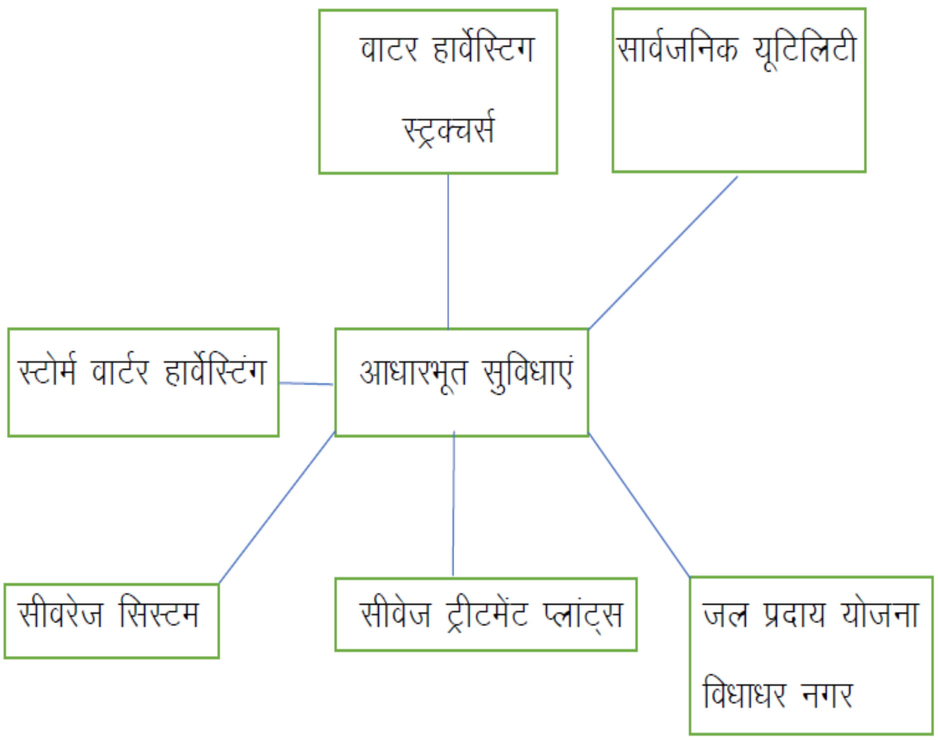

आधारभूत सुविधाएँ :–

योजना लागतः– निजी कंपनी द्वारा दिखाया गया संचालन/संधारण खर्च 1688 करोड़ रूपये होता है न्यूनतमक 80 प्रतिशत जलप्रदाय होने पर भी सलाना खर्च 13.49 करोड़ वसूली स्थानीय नागरिकों पर बहुत भारी पड़ती है जल दरों को लेकर अभी तक सार्वजनिक हुए दस्तावेजों में स्पष्टता नहीं है घरेलू कनेक्शनों के लिए 650 रूपए माह होगी।

उदाहरण :– जल दरों को लेकर अभी तक घरेलू कनेक्शनों के लिए 150 रूपए माह होगी।

यदि वर्तमान सारे कनेक्शनों हो जाने इस दर से 3 करोड 24 लाख ही वसूले जा सकते 16 करोड़ 96 लाख है।

5. विश्लेषण :– जयपुर विकास प्राधिकरण मास्टर 2025 भविष्य का आधारभूत सुविधाऐं भूमिका अदा की गई है मास्टर योजना 2025 विश्वविख्यात मूल्यों को सुरक्षित सर्वागीण नियोजन प्राकृतिक स्त्रोतों महत्वपूर्ण पहलू अदा की गई है।
6. भविष्य का शहर :– नगर सेंट्रल स्पाईन जगतपुरा सेंट्रल स्पाईन सेज अजमेर रोड़ नॉलेज सिटि महत्वपूर्ण।

आधारभूत सुविधाएँः–

स्टोर्म वाटर हार्वेस्टिंग वॉटर स्ट्रक्चर्स सीवरेज सिस्टम सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटस जल प्रदाय विधाधर योजना कार्मिक अधिकारों जयपुर विकास प्राधिकरण मास्टर योजना शहर की सुविधाऐं एक महत्वपूर्ण भूमिका विश्लेषण में अहम् भूमिका अदा की गई है।

***शोधार्थी**
लोक प्रशासन विभाग
यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलोजी,
जयपुर (राज.)

सन्दर्भ ग्रन्थसूची :–

1. अग्रवाल एवम् पोरवाल ''संविर्गीय प्रबन्ध' नवयुग साहित्य सदन आगरा 1980
2. अरूण मोनाप्पा मिर्जा एस सैथदीन, परसोनल मैनेजमेंट टाटा मेक्ग्रा हिल पब्लिशिंग कम्पनी, लिमिटेड, न्यू देहली 1979
3. अग्रवाल आर डी डायनेमिक्स ऑफ परसोनल मैनेजमेंट इन इण्डिया ''टाटा मेक्ग्रा हिल पब्लिशिंग कम्पनी लिमिटेड न्यू देहली 1977
4. कटारिया सुरेन्द्र कार्मिक प्रशासन ''आर बी.एस.ए पब्लिशर्स जयपुर 1997
5. काल्हन आर मैनेजिंग परसोनल हार्पर एण्ड रा. न्यूयार्क 1964
6. जैन सी.एम.शर्मा हरीशचन्द्र राठौड ए.एस. लोक सेवीवर्गीय प्रशासन रिसर्च पब्लिशर्स जयपुर 1999
7. ज्यूसियस मिचालने 'परसोनल मैंनेजमेंट रिवार्ड डी. इर्विन होमवुड 1976
8. परसोनल जर्नल सैन्टा मोनिका कैलिफोर्निया
9. इण्डस्ट्रियल मैनेजमेंट इण्डस्ट्रियल मैंनेजमेंट सोसायटी शिकागों
10. जापान लेबर रिव्यूः जापान इन्सटीटयूट ऑफ लेबर पॉलिसी व ट्रेनिंग
11. इण्डियन एडमिनिस्ट्रेटिव एण्ड मैनजमेन्ट रिव्यु न्यू देहली
12. परसोलन टूडे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ परसोनल मैनेजमेट, कलकत्ता।
13. मास्टर विकास योजना 2025
14. जयपुर इन्टरनेशनल सेंटर
15. निजीकृत योजना टयूबवेल
16. समाचार पत्र पत्रिकाऐं।

---

17. जयपुर विकास प्राधिकरण कार्मिक प्रशासन
18. महका भारत जयपुर संस्करण
19. नवज्योति
20. जयपुर विकास प्राधिकरण अधिनियम 1982
21. जयपुर विकास प्राधिकरण संशोधन अधिनियम 1981
22.. जयुर विकास प्राधिकरण कर्मचारी आचरण नियम 1983
23. जयपुर विकास प्राधिकरण वार्षिक प्रतिवेदन
24. भारत का संविधान सेंट्रल लॉ पब्लिकेशन्स इलाहाबाद 1998
25. आर्थिक समीक्षा 2007–2008 भारत सरकार
26. योजना प्रकाशन विभाग भारत सरकार दिल्ली
27. कुरूक्षेत्र प्रकाशन विभाग भारत सरकार, दिल्ली
28. राष्ट्रदूत जयपुर संस्करण
29. सीमा सन्देश